लेखकों के लिए दिशा-निर्देश / Guidelines for Authors

कृषि मञ्जूषा एक अर्द्धवार्षिक हिन्दी शोध पत्रिका है। यह पत्रिका कृषि पर आधारित है अतः लेखकों से यह अनुरोध है कि वो अपने शोध पत्र कृषि मञ्जूषा के शोध क्षेत्र यथा कृषि एवं उनसे संबन्धित विषय पर ही ई-मेल (krishi-manjusha@gmail-com) द्वारा भेजें। आवश्यकता अनुसार संपादकीय मंडल लेखकों को उनके शोध पत्रों मे गुणवत्तापूर्ण सुधार हेतू सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान करके की सुविधा देता है।

इस शोध पत्रिका में मुख्य रूप से शोध लेख, समीक्षा लेख, रणनीतिक और नीति पत्र, लघु नोट्स और पुस्तक समीक्षा का प्रकाशन किया जाता है। लेखकों से यह अनुरोध है कि वो अपने शोध पत्र का लेखन निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखकर तैयार करें -

लेख में निम्नलिखित सभी खंड क्रमबद्ध व्यवस्थित हों -

विवरण	भाषा
लेख का शीर्षक	हिन्दी एवं English
लघु शीर्षक	हिन्दी एवं English
लेखकों का संबन्धित संस्थान एवं पूरा पता	हिन्दी एवं English
लेख प्रेषित करने वाले लेखक का ई मेल	English
सारांश / Abstract	हिन्दी (200–300 शब्द)
मुख्य शब्द / Keywords	हिन्दी एवं English (5–6 शब्द)
परिचय / Introduction	हिन्दी
सामाग्री एवं विधि / Materials and Methods	हिन्दी
परिणाम और चर्चा / Results and Discussion	हिन्दी
निष्कर्ष / Conclusion	हिन्दी (100–150 शब्द)
संदर्भ / Reference	हिन्दी एवं English

लेख की शब्द सीमा

लेख का शब्द सीमा लगभग 2000-3000 (10-12 टाइप किए गए पृष्ठ) होना चाहिए ।

संदर्भ / Reference लिखने की शैली

संदर्भ / Reference द्विभाषी होने चाहिए जिससे की प्रशस्ति पत्र एजेंसियां सूची पत्र में सूचीबद्ध कर सके

शोध पत्रिका

बेहरा यू के, शर्मा ए आर एवं पांडे एच एन. 2007. मध्य प्रदेश के वर्टिसल मिट्टी में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से गेहूं-सोयाबीन फसल प्रणाली की सतत उत्पादकता. प्लांट एंड सॉइल. 297: 185-189.

Behra UK, Sharma A and Pandey H N. 2007. Sustainable productivity of wheat&soybean cropping system in Vertisal soils of Madhya Pradesh through integrated nutrient management practices- Plant and soil. 297:185-189

पुस्तक

सक्सेना आर . 2006. उत्तर आधुनिकता एवं द्वंद्वाद। दुर्ग : श्री प्रकाशन

Saxena R. 2006. Uttara adhunikata aur dvandvavada. Durg : Shri Prakasan

संपादित पुस्तक में अध्याय

Sundaram P K .2020. Importance of mechanisation in faba bean. Singh A K *et al* (eds) Faba bean: A potential leguminous crop of India (15-25). Jyoti Prakashan, New Delhi

सुंदरम पी के. 2020. फेबा बीन में मशीनीकरण का महत्व. सिंह ए के एवं साथी (संपादक) फैबा बीन : भारत की क्षमता से भरपूर एक दलहानी फसल (पृष्ठ संख्या 15-25)। ज्योति प्रकाशन , नई दिल्ली

वेब पेज

Pawan jeet.2019. Composite hydrologic index: Groundwater recharge estimation tool. https://www. krishisewa.com/articles/resource-management/994-composite-hydrologic-index-groundwater-recharge-estimation-tool.html?highlight=WyJwYXdhbiJd

पवन जीत. 2019. समग्र हाइड्रोलॉजिक सूचकांग : भूजल पुनर्भरण के अंकलन का साधन.
https://www.krishisewa.com/articles/resource-management/994-composite-hydrologic-index-groundwater-recharge-estimation-tool.html? highlight=WyJwYXdhbiJd

e-खेती एक द्विभाषीय (हिन्दी एवं अंग्रेजी) ऑनलाइन कृषि पत्रिका है, जो कि कृषि के सतत एवं सम्पूर्ण विकास के लिए समर्पित है। इस पत्रिका में खेती के सभी आयामों को समुचित स्थान दिया जाता है। लेखकों से अनुरोध है कि वो अपने हिन्दी भाषा के लेख में Mangal या Unicode फॉन्ट का ही प्रयोग करे ।

लेखकगण अपने लेख एवं पाठकगण अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल : ekheti.2020@gmail-com अथवा https://e&kheti-jsure-org-in / पर प्रेषित करें।